



SHRI ZAHEERKHAN BAKHTIYARKHAN KHAN

Shri Zaheerkhan Bakhtiyarkhan Khan is one of the finest fast bowlers India has produced and is widely respected in the cricket world as one of the best left handed fast bowlers to have played the game.

2. Born on 7th October, 1978 in Shrirampur in Ahmednagar district in Maharashtra, Shri Zaheer Khan was a good student and would have done well in Engineering but chose to move to Mumbai to pursue a career in Cricket in 1996. Within three years he was playing first class cricket and just a year later, broke into the Indian team. He had an outstanding debut in the ICC Knockout tournament in Kenya in October, 2000 and was immediately picked to play his first test against Bangladesh in November, 2000.

3. Shri Zaheer Khan took 5 wickets consuming 16 runs in the final of the Ranji Trophy in 2000-01 to deliver Baroda their first Ranji Trophy win after 43 years and showed his fondness for the big stage by taking 9 wickets in the final in 2006 for Mumbai. He was picked to play in the World Cup in South Africa in 2003 where his haul of 18 wickets contributed to India reaching the final. And in 2011, he took 21 wickets from just 9 games to emerge as the leading wicket-taker in the tournament as India won the World Cup. With 44 wickets, he is the joint leading wicket taker for India in World Cup cricket.

4. Shri Zaheer Khan played a very important role in India's first series win in England after 21 years in 2007 when he took 9 wickets and was man-of-the-match in Nottingham. India won that test and the series by 1-0 in which his knowledge of the conditions and ability to carry the bowling was a big factor.

5. Shri Zaheer Khan played his last test in 2014 and picked up 5 wickets in an innings in his last appearance. Overall, he took 311 wickets in 92 test matches, becoming only one of two Indian fast bowlers to take more than 300 wickets. He played 200 one-day internationals for India and took 282 wickets which puts him at number four in the all-time list for Indians. He also took 672 wickets in first class cricket. More than the numbers, hugely impressive as they are, it was his ability to deliver on the big stage that will be remembered. He was also a fine innovator coming up with different kinds of deliveries and remains one of India's best swing bowlers.

6. Shri Zaheer Khan has always been a very keen student of the game and remains a valuable mentor for the next generation. His journey from Shrirampur to the cricket capitals of the world is an inspiration to many.





श्री झहीरखान बखतियारखान खान

श्री झहीरखान बखतियारखान खाान भारत के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक हैं और क्रिकेट जगत में बाएं हाथ के एक सर्वोत्तम तेज गेंदबाज के तौर पर जाने जाते हैं।

2. 7 अक्टूबर, 1978 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के श्रीरामपुर में जन्मे, श्री झहीर खान एक सुयोग्य छात्र थे और इंजीनियरिंग में नाम कमा सकते थे परंतु उन्होंने 1996 में क्रिकेट में अपना करियर बनाने के लिए मुंबई का रुख किया। वह तीन वर्ष के भीतर प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने लगे और उसके ठीक एक वर्ष के बाद उन्हें भारतीय टीम में प्रवेश मिला। उन्होंने अक्टूबर, 2000 में केन्या में आईसीसी नॉकआउट टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की और उसके फौरन बाद, नवंबर, 2000 में उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला टेस्ट खेलने के लिए चुना गया।

3. श्री झहीर खान ने 2000–01 में रणजी ट्रॉफी के फाइनल में 16 रन देकर 5 विकेट लिए और 43 साल के बाद बड़ौदा को पहली रणजी ट्रॉफी दिलाई। 2006 में मुंबई के लिए फाइनल में 9 विकेट लेकर अपने ऊंचे इरादे जाहिर कर दिए। उन्हें 2003 में दक्षिण अफ्रीका में विश्व कप में खेलने के लिए चुना गया था, जिसमें उन्होंने 18 विकेट लिए और भारत को फाइनल में पहुंचाया। 2011 में, उन्होंने विश्व कप के 9 मैचों में 21 विकेट लिए और सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल हुए। भारत ने इस विश्व कप में विजय हासिल की। 44 विकेट के साथ, वह विश्व कप क्रिकेट में भारत के लिए सबसे अधिक विकेट लेने वाले संयुक्त खिलाड़ी बने।

4. श्री झहीर खान ने 2007 में 21 साल के दौरान इंग्लैंड में भारत द्वारा पहली सीरीज जीतने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 9 विकेट लिए और नॉटिंघम में मैन–ऑफ–द–मैच बने। भारत ने वह टेस्ट और सीरीज़ 1–0 से जीती। इस जीत में हालात को भांप लेने की उनकी काबिलियत और उसके मुताबिक गेंदबाजी का सबसे अधिक योगदान था।

5. श्री झहीर खान ने 2014 में अपना आखिरी टेस्ट खेला और उसकी एक पारी में 5 विकेट लिए। कुल मिलाकर, उन्होंने 92 टेस्ट मैचों में 311 विकेट लिए, और 300 से अधिक विकेट लेने वाले दो भारतीय तेज गेंदबाजों में से एक बने। उन्होंने भारत के लिए 200 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 282 विकेट लिए, जिसकी वजह से उन्हें भारतीयों की सर्वकालिक सूची में चौथा स्थान हासिल है। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 672 विकेट भी लिए। संख्या से कहीं ज्यादा प्रभावशाली बड़े और अहम मैचों में उनकी सफलताएं थीं, जिन्हें हमेशा याद रखा जाएगा। वह विविधतापूर्ण और बेहतरीन गेंदबाजी में सिद्धहस्त थे और भारत के सर्वश्रेष्ठ स्विंग गेंदबाजों में से एक हैं।

6. श्री झहीर खान हमेशा खेल के प्रति गहरी दिलचस्पी रखते हैं और भावी पीढ़ी के लिए एक बेशकीमती सलाहकार बने हुए हैं। श्रीरामपुर से दुनिया की क्रिकेट राजधानियों तक की उनकी यात्रा बहुत से लोगों के लिए एक प्रेरणास्रोत है।